मने सुनी मेरी मैया रानी भर भर झोली बांटे से

मने सुनी मेरी मैया रानी भर भर झोली बांटे से
मेरी बारी कब आवेगी मने क्यों पाछे ने राखे से,

लक्ष्मी रूप में धन देती हो यु दुनिया मे रूपा जी
आता ने दिन बहुत हो लिए मैं तो राख लिया सुखा जी
देख ले तू मेरी तरफ भी हिया जिगर का पाते से,
मने सुनी मेरी मैया रानी भर भर झोली बांटे से

सब कामो में अड़चन मेरे बीच भवर में फस गया
मेरा मरण लोगो की हंसी संकट कौन सा कस गया
आस लगाई तेरी मैया तू विपदा सारी काटे से
मने सुनी मेरी मैया रानी भर भर झोली बांटे से

शरण पड़े की लाज राख ले सुनो मेरी महारानी
केह हरी ॐ बिना धन दोलत खराब रहे जिंदगानी,
करिए मेहर रेहम की मैया क्यों ज्यादा तरसावे से
मने सुनी मेरी मैया रानी भर भर झोली बांटे से

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19235/title/mane-suni-meri-maiya-rani-bhar-bhar-jholi-baante-se

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |